Brain International School
Vikas Puri, New Delhi

अभ्यास पत्र - 1

विषय – हिंदी **कक्षा – IX** **अप्रैल - 2025**

अपठित गद्यांश

प्रश्न 1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

'साहित्य का आधार जीवन है। इसी आधार पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है। उसकी अटारियाँ, मीनार और गुंबद बनते हैं लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है। जीवन परमात्मा की सृष्टि है इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित है। जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं हमें मालूम नहीं, लेकिन साहित्य मनुष्य के सामने जवाबदेह है। इसके लिए कानून है जिनसे वह इधर-उधर नहीं जा सकता। मनुष्य जीवनपर्यंत आनंद की खोज में लगा रहता है। किसी को यह रत्न, द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में लेकिन साहित्य का आनंद इस आनंद से ऊँचा है। उसका आधार सुंदर और सत्य है। वास्तव में सच्चा आनंद सुंदर और सत्य से मिलता है ।उसी आनंद को दर्शाना वही आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है।'

1- साहित्य और जीवन में गहरा संबंध है क्योंकि

(क) जीवन का मुख्य आधार साहित्य है।

(ख) साहित्य जीवन की मजबूत दीवार है।

(ग) साहित्य का आधार जीवन है।

(घ) साहित्य का आनंद जीवन से ऊँचा है।

2- मनुष्य किसकी खोज में जीवन भर लगा रहता है ?

(क) परमात्मा की

(ख) आनंद की

(ग) साहित्य की

(घ) रत्न द्रव्य भरे पूरे परिवार लंबे-चौड़े भवन एवं ऐश्वर्य को पाने की

3- साहित्य के आनंद का आधार क्या है ?
4-मनुष्य कहाँ -कहाँ आनंद को खोजता है ?

स्पर्श भाग –I

पाठ - 'दुःख का अधिकार'

प्रश्न- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) खरबूजे बेचने आई महिला फफक-फफक कर क्यों रोए जा रही थी? 'दुःख का अधिकार' पाठ के आधार पर बताइए।

ख) लेखक स्त्री के रोने का कारण क्यों न जान सका ?

पाठ –रैदास के पद

प्रश्न- निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) रैदास के ईश्वर की विशेषताएँ लिखिए।

ख) निम्न पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों का सही उत्तर लिखिए –

अब कैसे छूटे राम नाम रट लागी।
प्रभु जी, तुम चंदन हम पानी, जाकी अँग-अँग बास समानी।
प्रभु जी, तुम घन बन हम मोरा, जैसे चितवत चंद चकोरा।
प्रभु जी, तुम दीपक हम बाती, जाकी जोति बरै दिन राती।
प्रभु जी, तुम मोती हम धागा, जैसे सोनहिं मिलत सुहागा।
प्रभु जी, तुम स्वामी हम दासा, ऐसी भक्ति करै रैदासा ॥

i. प्रस्तुत पद्यांश में रैदास किसकी भक्ति कर रहे हैं?
(क) श्री कृष्ण की (ख) राम की (ग) प्रेम की (घ) इनमें से कोई नहीं

ii. रैदास ने खुद को पानी तो भगवान को क्या कहा ?
(क) बर्फ (ख) चंदन (ग) अमृत (घ) इनमें से कोई नहीं

iii. रैदास ने खुद को मोर तो भगवान को क्या कहा ?
(क) बादल (ख) मोरनी (ग) वसंत (घ) इनमें से कोई नहीं

व्याकरण

प्रश्न-शब्द और पद में उदाहरण देते हुए अंतर स्पष्ट कीजिए ।

रचनात्मक लेखन

प्रश्न- 'मेरी अविस्मरणीय हवाई यात्रा' विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए।